(b) which of the material, now lieing imported, is likely to be available in India?]

प्रधान मंत्री और परमाणु शक्ति मंत्री (श्री जवाहरलाल नेहरू) : (क) अणुशक्ति के विकास के लिये आवश्यक खनिज यूरेनियम और थोरियम हैं। यूरेनियम मुख्यता बिहार और राजस्थान में पाया जाता है और बहुमूल्य थोरियम के संग्रह केरल और मद्रास राज्य के तटों पर मोनाज़ाइट रेत में मिलते हैं।

यूरेनियम कान्सेनट्रेट की थोड़ी मात्रा यूरेनियम आक्साइड और अन्ततः धातु में प्रासेस करने के लिये आयात की जा रही है। थोरियम की काफी मात्रा उपलब्ध है और पदार्थ को थोरियम/सीरियम नाइट्रेट के रूप में निर्यात किया जाता है।

(ख) प्रत्येक दृष्टि से अपने परमाणुशक्ति कार्यक्रम को आत्मनिर्भर बनाने की विभाग की नीति के अनुसार बिहार में वहां की खानों से प्राप्त यूरेनियम अयस्क को यूरेनियम कान्सेनट्रेट में प्रासेस करने के लिये एक यूरेनियम मिल स्थापित की जा रही है। मिल से उत्पादन आरम्भ होने पर यूरेनियम-कान्सेनट्रेट का आयात अनावश्यक हो जायेगा।

+[THE PRIME MINISTER AND MINISTER OF ATOMIC ENERGY (SHRI JAWAHARLAL NEHRU): (a) The important minerals required for the development of atomic energy are uranium and thorium. Uranium is mainly found in Bihar and Rajasthan, and rich thorium deposits are contained in the monazite sands on the coasts of Kerala and Madras States.

Small quantities of uranium concentrate are being imported for processing into uranium oxide and eventually metal. Adequate stocks of thorium are available and the material is also exported in the form of thorium/cerium nitrate.

(b) In conformity with the Department's policy to make its atomic energy programme self-sufficient in all respects, an Uranium Mill is being set up in Bihar for processing the uranium ore obtained from the mines in that area into uranium concentrate. When the Mill commences production, import of uranium concentrate will become unnecessary.]

मोटर के टायरों के लिये रबड़

२१८. श्री विमलकुमार मन्नालालजी चौरड़िया: क्या वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भारत में मोटर के टायरों को इस समय अनुमानित वार्षिक आवश्यकता कितनी है;

(ख) भारत में उत्पादित रबड़ से मोटर के कितने टायरों का निर्माण होता है और आयातित रबड़ से मोटर के कितने टायरों का निर्माण होता है;

(ग) मोटर टायरों के निर्माण के लिये कितना कच्चा रबड़ आयात किया जा रहा है;

(घ) देश की आवश्यकता के अनुसार रबड़ का उत्पादन हो, यह सुनिश्चित करने के लिये क्या कार्यवाही की गई है; और

(ङ) रबड़ की आवश्यकता पूरी करने के बारे में हम कब तक स्वावलम्बी हो सकेंगे ?

[RUBBER roR MOTOR TYRIS

218. SHRI V. M. CHORDIA: Will the Minister of COMMERCE AND INDUSTRY be pleased to state:

(a) the present estimated annual requirement of motor tyres in India;

(b) the number of motor tyres which are manufactured with the rubber produced in India and the number of those which are manufactured with the imported rubber;

t[ ] English translation.

(e) the quantity of raw rubber which is being imported for the manufacture of motor tyres;

(d) the steps that have been taken to ensure that rubber is produced according to the requirement of the country; and

(e) by when the country is expected to be self-sufficient with respect to meeting its requirement of rubber?]

वाणिज्य तथा उद्योग मंत्रालय में उद्योग मंत्री (श्री एन० कानूनगो) : (क) से (ङ) एक विवरण साथ में नत्थी है।

विवरण

(क) २० लाख ।

(ख) टायरों और ट्यूबों के निर्माण में देशी तथा विदेशों से आयात की गई, दोनों प्रकार की रबड़ साथ साथ काम में लाई जाती है। देशी तथा आयातित रबड़ से बनाए गए टायरों और ट्यूबों के आंकड़े अलग अलग उपलब्ध नहीं हैं। फिर भी १९६१ में भारत में बनाए गए मोटर गाड़ियों के टायरों और ट्यूबों के आंकड़े नीचे दिये गए हैं :-

	नग
टायर . . .	१६,६१,४३२
ट्यूब . . .	१६,२१,४८८

(ग) टायरों और ट्यूबों को ही बनाने के लिये आयात की गई रबड़ के आंकड़े अलग से उपलब्ध नहीं हैं। १९५९-६० से १९६१-६२ तक के वर्षों में आयात की गई कच्ची रबड़ के आंकड़े नीचे दिये गए हैं :-

	१९५९-६०	१९६०-६१	१९६१-६२ (जनवरी '६२ तक)
	टन	टन	टन
प्राकृतिक रबड़	१५,५६५	२४,७८८	१६,३०६
संश्लेषित रबड़	५,४५०	८,४००	९,३३५
पुरानी से बनाई गई नई रबड़	२,६०४	३,०२४	३,३६४

(घ) कच्ची रबड़ का उत्पादन बढ़ाने के लिये नीचे लिखे कदम उठाए गए हैं :—

१. उत्पादकों को सहायताप्राप्त दरों पर बीज, खाद आदि दी जाती है।

२. उत्पादकों की कम पैदावार वाली ७०,००० एकड़ भूमि में १० वर्ष में अधिक रबड़ पैदा करने वाली किस्में रोपने के लिए १,००० रुपये प्रति एकड़ के हिसाब से सहायता दी जाती है।

३. मौजूदा छोटे उत्पादकों को ७५० रुपये प्रति एकड़ के हिसाब से अपनी भूमि बढ़ा कर ५ से १५ एकड़ तक कर लेने के लिए व्याजमुक्त ऋण देने का प्रस्ताव है जिसमें उनसे लाभ होने लगेगा।

४. अण्डमान और निकोबार द्वीपों में रबड़ की खेती का विकास करने की सम्भावनाओं की जांच की जा रही है।

५. संश्लेषित रबड़ तैयार करने वाले एक कारखाने को लाइसेंस दे दिया गया है; यह बरेली (उत्तर प्रदेश) में खोला जाएगा। शुरू में इसकी स्थापित क्षमता २०,००० टन होगी पर बाद को वह बढ़ा कर ३०,००० टन कर दी जाएगी।

६. पुरानी से नई रबड़ बनाने के लिए ६ कारखानों को लाइसेंस दे दिये गये हैं। उनकी कुल वार्षिक क्षमता लगभग १६,३०० टन होगी।

(ङ) तीसरी योजना की अवधि समाप्त होने तक।

t[THE MINISTER OF INDUSTRY m THE MINISTRY OP COMMERCE AN» INDUSTRY (SHRI N. KAKUNGO): (a) to (e) A statement is attached.

[ ] English translation.

bTATEMENT

(a) Two million numbers.

(b) Imported rubber and indigen ous rubber are both used together in the manufacture of Tyres and Tubes. Separate figures of tyres and tubes produced with imported rubber and indigenous rubber are not available. However, the figures of automobile tyres and tubes produced in India during 1961 are given below: —

	Nos.
Tyres . . .	1,691,432
Tubes . . .	1,621,488

(c) Separate figures of rubber imported for manufacture of tyres and tubes only are not available. The figures of raw rubber imported during the years 1959-60 to 1961-62 are given below: —

	1959-60	1960-61	1961-62 (upto Jan.' 62)
	Tons	Tons	Tons
Natural Rubber	15,565	24,788	19,306
Synthetic Rubber	5,450	8,400	9,335
Reclaimed Rubber	2,604	3,024	3,394

(d) The following steps are being tekan to increase production of raw rubber: —

(i) Seeds, manure etc. are supplied at subsidised, rates to the growers.

(ii) Subsidy is granted to the growers at the rate of Rs. 1,000 per acre for replanting some 70,000 acres of old low-yielding rubber lands with high yielding rubber strains in 10 years.

(iii) Interest free loans are proposed to be given to the existing small growers at Rs. 750 per acre for exten-tion of their holding to make them economic blocks of 5 to 15 acres.

(iv) Possibilities of developing rubber cultivation in the Andaman and Nicobar islands are being explored.

(v) A unit for manufacture of synthetic rubber has been licensed to be set up at Bareilly in U.P. with an installed capacity of 20,000 tons in the first stage to be raised to 30,000 tons later.

(vi) Six units have been licensed with a total annual capacity of about 16,300 tons for manufacture of Reclaimed Rubber.

(e) By the end of the Third Plan period.]

INDUSTRIES ESTATES IN KANGRA AND HOSHIARPUR

219. SHRI LILA DHAR BAROOAH: Will the Minister of COMMERCE AND INDUSTRY be pleased to state:

(a) the names of places in the Kangra and Hoshiarpur Districts of Punjab where (i) Rural Industrial Estates and (ii) Urban Industrial Estates are proposed to be set up during the Third Five Year Plan period; and

(b) what action is being taken to set up the proposed Estates and when they are likely to start functioning?

THE MINISTER OF INDUSTRY IN THE MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY (SHRI N. KANUNGO): (a) and (b) A statement is attached.

STATEMENT

(a) It is proposed to set up the following Rural and Urban Industrial Estates in the Kangra and Hoshiarpur